मु.मंत्री भजनलाल ने डूंगरपुर में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक ली

बांसवाड़ा, डूंगरपुर सांसद कनकमल कटारा और सागवाड़ा विधायक शंकर डेथा ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात की

- **क्षेत्रीय नेताओं ने मुख्यमंत्री को चुनाव संबंधी फीडबैक दिया।**
- **मुख्यमंत्री ने राजस्थान कर्मचारी महासंघ, विप्र फाउन्डेशन के पदाधिकारियों, व्यापारियों युवाओं व अल्पसंख्यकों के साथ भी संवाद किया।**

डूंगरपुर, 24 अप्रेल (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को दूसरे दिन डूंगरपुर जिले के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने तिजवड के पास एक होटल में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों से मुलाकात की तथा उनसे लोकसभा चुनाव को लेकर फीडबैक लिया।

भजनलाल शर्मा ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान मंगलवार रात को भाजपा के प्रमुख नेताओं, युवाओं, व्यापारिक वर्ग, प्रबुद्धजन और अल्पसंख्यक वर्ग के साथ भी संवाद किया था। बुधवार को सुबह शिव पैलेस में बांसवाडा-डूंगरपुर सांसद कनकमल कटारा, सागवाड़ा विधायक शंकर डेचा सहित भाजपा के अन्य प्रमुख नेताओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल से मुलाकात कर डूंगरपुर जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों का लोकसभा चुनाव को लेकर फीडबैक दिया। इस मौके पर राजस्थान कर्मचारी संयुक्त महासंघ, विप्र फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने मु.मंत्री का स्वागत किया और अपनी मांगों के ज्ञापन सौंपे। मु.मंत्री ने मांगों के संबंध में आश्वासन भी दिया।

भजनलाल शर्मा ने युवाओं से अपने पुराने दिन याद करते हुए कहा कि, जब वे 15 साल के थे तो सड़क के अभाव में अपने घर से 15 किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाते थे।

एक रविवार को सिर पर आटा लेकर जाया करते थे तो दूसरे रविवार को लकड़ियों का गट्ठर सिर पर ले जाते थे। अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में उनके गांव में सड़क बनी थी।

भजनलाल शर्मा ने पहली बार वोट डाल रहे युवाओं से सवाल किया कि, वोट क्यों डालना चाहिए? इस पर युवाओं ने राष्ट्र हित में वोट डालने की बात कही। मु.मंत्री ने युवाओं से करीब एक घंटे संवाद किया और भड़काऊ चीजों और गलत संगत में नहीं जाने की अपील की है।

आखिर में युवाओं के साथ सेल्फी भी खिंचाई। इसके बाद मु.मंत्री ने शहर के प्रबुद्ध जनों के साथ भी बातचीत की और जिले की समस्याओं और विकास को लेकर सुझाव मांगे।

प्रबुधजनों ने मुख्यमंत्री से जिले में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना, जनजाति क्षेत्र में व्यापारियों को टैक्स में राहत देने, सरपंच से लेकर सांसद तक के पद एस.टी. वर्ग के लिए आरक्षित होने की स्थिति में सामान्य और ओ.बी.सी. वर्ग को राजनीति नियुक्तियों के माध्यम से लाभान्वित करने की मांग की।

मां से मिलने एस.एम.एस. गए मु.मंत्री भजनलाल

जयपुर, 24 अप्रेल । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को प्रचार के बाद सीधे सवाई मानसिंह अस्पताल गए, जहाँ उन्होंने अपनी माँ की कुशलक्षेमी पूछी। मुख्यमंत्री शर्मा अस्पताल परिसर में लगभग 15 मिनट रुके और वहाँ अन्य मरीजों के हालचाल भी पूछे। ज्ञातव्य है कि, मुख्यमंत्री की माँ के अस्थमा अटैक आया था जिसके बाद उन्हें भरतपुर के अस्पताल के आई.सी.यू. वॉर्ड में भर्ती कराया गया। कुछ दिन पहले उन्हें जयपुर के एस.एम.एस. अस्पताल में शिफ्ट किया गया। मुख्यमंत्री शर्मा चिकित्सकों से अपनी मां के उपचार की जानकारी लेने के बाद वहाँ से रवाना हुए। गौरतलब है कि, मुख्यमंत्री शर्मा पहले भी एसएमएस अस्पताल में तीन बार अपने पिताजी के स्वास्थ के बारे में जानकारी लेने जा चुके हैं।

- **मुख्यमंत्री 15 मिनट अस्पताल में रहे, मां के हालचाल लिए व डॉक्टर्स को जरूरी निर्देश भी दिए।**

40 डिग्री तापमान में गहलोत ने किया रोड शो पर भीड़ नहीं जुटी

पसीने से तरबतर गहलोत ने प्रचार के आखिरी दिन पूरा जोर लगाया

- **रोड शो में भीड़ नहीं आने से निराश, गहलोत की चुनावी रणनीति को उस समय भारी झटका लगा, जब क्षेत्र के मोयला मुस्लिम समाज ने मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग के समक्ष भाजपा को समर्थन देने की घोषणा की।**
- **गहलोत ने अपने सभी समर्थक नेताओं और पूर्व मंत्रियों को जालोर-सिरोही में लगा रखा था, खुद भी राज्य की अन्य सीटों को छोड़कर जालोर-सिरोही में ही रहे।**
- **सिरोही में राजपूत समाज की बैठक में राजेन्द्र गुढ़ा व राजेन्द्र राठौड़ तथा कुछ अन्य भाजपा नेता शामिल हुए, सभी नेताओं ने राजपूतों से भाजपा को वोट देने की अपील की।**

जालोर, 24 अप्रेल (कास)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने पुत्र, कांग्रेस प्रत्याशी वैभव गहलोत के लिए जालोर शहर में चालीस डिग्री तापमान में रोड शो किया। पूर्व मुख्यमंत्री के रोड में जहाँ अपेक्षित भीड़ नज़र नहीं आई वहीं गहलोत स्वयं पसीने से तरबतर नज़र आये। इतना ही नहीं, कांग्रेस से नाराज मोयला मुस्लिम समाज के लोगों ने मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग के समक्ष भाजपा को समर्थन दिया। पूर्व मुख्यमंत्री ने चुनाव प्रचार के अंतिम दिन अपने मंत्रिमण्डल व कई विधायकों के साथ प्रचार में पूरा जोर लगा दिया।

जालोर- सिरोही लोकसभा सीट अशोक गहलोत के लिए नाक का सवाल बनी हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री जालोर-सिरोही में अपने पूरे परिवार के साथ डेरा डालकर दिन रात चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। अपनी जाति के वोटरों को अपने पक्ष में करने के लिए गहलोत ने मंगलवार को माली समाज बहुल क्षेत्र राजेन्द्र नगर से रोड शो शुरु किया। करीब साढ़े ग्यारह बजे शुरु हुए रोड शो के दौरान किसी प्रकार की माकूल व्यवस्था नहीं होने से लोग गर्मी से बचने के लिए इधर -उधर छांव का सहारा लेते नज़र आये। पूर्व मु.मंत्री देर से आए इसलिए कई लोग तो गर्मी को देखते हुए घर चले गये। भीड़ कम देखकर पूर्व मु.मंत्री के चेहरे पर निराशा देखी गई। कहा जा रहा है कि, अपेक्षित भीड़ नहीं होने के कारण वैभव की जीत को लेकर गहलोत चिंतित हैं। उन्होंने अपने मंत्रिमण्डल के कई मंत्रियों व विधायकों को जालोर में बैठाया हुआ है, तथा हर जाति समाज के लोगों से सम्पर्क कर रहे हैं। जालोर-सिरोही के वासी एक सवाल कर रहे हैं कि, पूर्व मुख्यमंत्री पहले कहाँ गये थे। रोड शो के दौरान उनकी बड़ी गाड़ी तिलकद्वार के अंदर नहीं जा पाई इसलिए उन्हें कार में बैठकर आगे जाना पड़ा।

जालोर में करीब चालीस डिग्री तापमान के बीच भीषण गर्मी में गहलोत पर पुष्प वर्षा करने का इंतजाम किया गया था। लोगों का मानना है कि, पूर्व मु.मंत्री का यह रोड शो फ्लॉप रहा। रोड शो के दौरान वैभव का नहीं होना भी चर्चा का विषय बना रहा।

दूसरी तरफ कांग्रेस से नाराज़ मोयला मुस्लिम समाज के कुछ लोगों ने एक सोमवार देर शाम बैठक कर मुख्य सचेतक व जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग के समक्ष भाजपा को समर्थन दिया, जो कांग्रेस के लिए चिंता का विषय है। दूसरी तरफ सिरोही में राजपूत समाज की बैठक हुई। जिसमें पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढा, पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह राठौड़, पूर्व मंत्री अर्जुनसिह देवड़ा सहित कई दिग्गज भाजपा नेता शामिल हुए। राजेन्द्र गुढ़ा ने कहा कि, कांग्रेस ने राजपूत नेताओं को समाप्त करने कार्य किया है। यदि राजपूत वोट दे भी देंगे तो सिरोही में संयम लोढा व जालोर में पाराशर पूर्व मु.मंत्री को यदि कहेंगे कि, राजपूतों ने वोट नहीं दिया तो वे उनकी बात पहले मानेंगे। यदि वैभव जीत गया तो ये दोनों ही वाहवाही लूटेंगे। इसलिए पिछले पांच साल से प्रताड़ना झेल रहे लोग इस बार ध्यान रखें। कहा जा रहा है कि, प्रदेश स्तर के कई नेता पूर्व मु.मंत्री का कर्ज चुकाने के लिए जालोर -सिरोही पहुंचे हैं।

'राम मंदिर का निर्माण होने से भारत का भाग्योदय हुआ है'

केन्द्रीय मंत्री और जोधपुर से भाजपा प्रत्याशी गजेन्द्र सिंह शेखावत ने आरोप लगाया कि, कांग्रेसियों ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के विरोध में काले कपड़े पहने थे

- **शेखावत ने कहा, इससे जाहिर है कि, कांग्रेस तुष्टिकरण और एक वर्ग विशेष के वोट साधने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।**
- **शेखावत ने कहा कि, जब राम मंदिर ढहाकर बाबरी मस्जिद बनी थी, उस दिन भारत का सूर्यास्त हो गया था।**

जोधपुर, 24 अप्रेल (कासं)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री एवं जोधपुर से भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी गजेंद्र सिंह शेखावत ने मीडिया के साथ बात करते हुए कहा कि, कांग्रेस ने धन बांटने की बात कहकर एक बार फिर अपनी तुष्टिकरण नीति और चेहरे को बेनकाब किया है। राममंदिर निर्माण में भी कांग्रेस पार्टी ने विरोध किया था और प्राणप्रतिष्ठा के समय भी काले कपड़े पहनकर विरोध किया था। इससे साफ जाहिर होता है कि, कांग्रेस तुष्टिकरण करने और एक वर्ग विशेष के वोट को साधने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।

शेखावत ने कहा कि, पांच सौ साल पहले जिस दिन राममंदिर को ढहाकर बाबरी मस्जिद बनाई गई थी उस दिन से भारत का सूर्यास्त हो गया था। यह कालचक्र की रात अमावस्या की थी। भारत के तीन लाख लोगों ने अपना बलिदान देकर उस अग्नि को प्रज्जवलित रखा था। पांच सौ साल भारत की माताओं और बहनों ने अपने भाईयों बेटों को खोकर उसे जीवित रखा। वहीं, कांग्रेस ने राम के अस्तित्व को ही नकार दिया। भारत ने 70 साल तक न्यायालय में लड़ाई लड़ी और राममंदिर का निर्माण भारत के लिए भाग्योदय बनकर उभरा है।

उन्होंने कहा कि, पिछले दस सालों में भारत ने विश्व पटल पर अपनी पहचान बनाई है और सनातनी संस्कृति को बढ़ाया है। कांग्रेस की मानसिकता भारत को गिराने की है और यह पार्टी वर्ग विशेष को वोट बैंक बनाकर फायदा उठानी वाली रही है।

उन्होंने पूर्ववर्ती मनमोहन सिंह की कांग्रेस सरकार पर भी निशाना साधा और कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए उनके बयानों की आलोचना करते हुए कहा, जब देश बुरे दौर से गुजरता है तो कांग्रेस के नेता विदेशी ताकतों के साथ बात करते हैं।

शेखावत ने कहा कि, जोधपुर में कार्यकर्ताओं ने पूरी उर्जा के साथ काम किया है। चुनाव के समर को और तेज करने के लिए कार्यकर्ताओं ने काम किया है। उन्होंने विश्वास एवं दावे के साथ कहा कि, इस बार बड़े अंतर के साथ भाजपा का कमल खिलेगा। भाजपा राजस्थान में 25 सीटें जीतेगी। देश को विकसित करने में सशक्त सरकार बनाने में हम सफल होंगे।

'जाति जनगणना राजनीति नहीं, मेरे जीवन का मिशन है'

- **राहुल गांधी ने कहा कि, कांग्रेस की सरकार बनते ही अनिवार्य रूप से जातिगत जनगणना कराई जायेगी।**

नयी दिल्ली, 24 अप्रैल (वार्ता) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि जाति जनगणना उनके लिए कोई राजनीति नहीं बल्कि उनके जीवन का मिशन है और केंद्र में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने पर इसे अनिवार्य रूप से कराया जायेगा।

गांधी ने यहां जवाहर भवन में सामाजिक न्याय सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा उनकी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, जबसे मैंने जाति जनगणना विचार रखा है, सभी तथाकथित देशभक्त डरे हुए हैं। जाति जनगणना मेरे लिए राजनीति नहीं है, बल्कि यह मेरे जीवन का मिशन है। जैसे ही कांग्रेस सरकार केंद्र में सत्ता में आएगी, हम तुरंत इसे करायेंगे और यह मेरी गारंटी है।

उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों को उनका हक नहीं मिल रहा है। मीडिया के प्रबंधन स्तर या निजी अस्पतालों और बड़ी कंपनियों में और यहां तक कि न्यायपालिका में भी दलितों, आदिवासियों या ओबीसी की शायद ही कोई उपस्थिति है। उन्होंने कहा मुझे जाति में नहीं बल्कि न्याय में दिलचस्पी है। भारत में 90 फीसदी लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। हमने कहा कि हमें यह पता लगाने की जरुरत है कि कितना अन्याय हो रहा है और यह केवल जाति जनगणना के जरिए ही संभव है।

गांधी ने सवालिया लहजे में कहा,क्या आपको घायल होने पर एक्स-रे की ज़रूरत नहीं है।

भाजपा के लिए...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्टार्टर की श्रेणी ही दर्शाता है।

केरल में अभी तक कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूनाइटेड डैमोक्रेटिक फ्रंट आगे है और उसके 16 सीटों पर विजय दर्ज करने की भविष्यवाणी की गई है। सत्ताधारी एल.डी.एफ. के चार निर्वाचन क्षेत्रों में विजय प्राप्त करने की संभावना है।

यदि इस ओपीनियन पोल की भविष्यवाणी सच्ची साबित हो जाती है तो इसका मतलब होगा कि केन्द्रीय मंत्री व मीडिया दिग्गज राजीव चन्द्रशेखर की हार तय है। राजीव चन्द्रशेखर के हारने के बाद भाजपा में उनका पद कम हो जाएगा।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनावों में यू.डी.एफ. ने कुल 20 सीटों में से 19 पर विजय दर्ज की थी। इनमें से 15 सीटें इंडियन नैशनल कांग्रेस (आई.एन. सी.) ने जीती थी और शेष इसके गठबंधन वाले दलों ने जीती थी। एल.डी.एफ. ने केवल अलाप्पुजा की सीट ही जीती थी।

राहुल गांधी को वायनाड एल.डी.एफ. की एनी राजा से आसानी से जीत मिल जाएगी। राहुल दक्षिण भारत और केरल में व्यक्तिगत रूप से काफी लोकप्रिय नेता हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव व भगवत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मामूली नेता नहीं हैं। उन्हें बॉब कैनेडी के उप नाम से भी जाना जाता है। वह उन मतदाताओं से स्वयं को वोट देने की अपील कर रहे हैं, जिनका डैमोक्रेट्स और रिपब्लिकन, दोनों के वृद्ध प्रतिद्वंद्वियों से मोहभंग हो चुका है। उनकी तुलना में सत्तर वर्षीय बॉब कैनेडी एक खुशमिजाज युवा व्यक्ति हैं।

वे कुछ हद तक बाइडन और ट्रम्प, दोनों के वोट काटेंगे और दोनों में से किसी एक को इसका लाभ होगा। रॉबर्ट युवाओं की समस्याओं को मुखर होकर उठा रहे हैं और उनकी पसंद बनने जा रहे हैं।

रॉबर्ट कैनेडी जूनियर अपने संक्षिप्त नाम आर.के.एफ. से भी लोकप्रिय हैं। उन्होंने द इकोनॉमिस्ट मैगज़ीन के साथ एक बेबाक बातचीत में कहा कि "देश में जो कुछ भी चल रहा है, उसे देखते हुए उन्हें महसूस हुआ कि राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ना उनका कर्त्तव्य है।

द इकोनॉमिस्ट के एन्ड्यू मिलर ने जब उनसे यह पूछा कि अमेरिकी राष्ट्रपति पद के चुनाव में देश की दो प्रमुख राजनीतिक पार्टियों में से एक का उम्मीदवार ही बाज़ी मारता आया है, तो फिर वह एक निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में क्यों चुनाव लड़ रहे हैं? तब आर.के.एफ. ने भगवद् गीता के एक प्रसंग का जिक्र किया, जिसमें कुरुक्षेत्र में अर्जुन अपने ताऊ के लड़कों, चाचा-मामाओं और पितामह से लड़ने से इंकार कर देते हैं तब भगवान कृष्ण उन्हें मार्गदर्शन देकर कहते हैं कि वह युद्ध करें क्योंकि युद्ध करना उनका कर्त्तव्य है।

लेकिन, वास्तविकता यह है कि कैनेडी खानदान डैमोक्रेट्स का अभिन्न हिस्सा रहा है, और डैमोक्रेट प्रत्याशी के विरूद्ध चुनाव लड़ने के उनके निर्णय से ऐसा लगता है, जैसे कि वह अपने खुद के लोगों के खिलाफ ही चुनाव लड़ रहे हैं। जॉन एफ. कैनेडी अमेरिका के सबसे युवा राष्ट्रपतियों में से एक थे। वह 42 वर्ष की उम्र में ही राष्ट्रपति बन गए थे। उनके पिता ने डैमोक्रेट्स के आंतरिक चुनावों के बाद राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने के बाद एक प्रैस कॉन्फ्रैंस को संबोधित किया था, लेकिन संबोधन के तुरंत बाद जब वह अपने होटल के कमरे की तरफ जा रहे थे, तब होटल की लॉबी में ही उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

कैनेडी ने अमेरिकी राष्ट्रपति पद का चुनाव भी लड़ा था, किन्तु वह हार गए थे। कैनेडी परिवार आज भी अपनी सुपरिचित राजनीतिक पार्टी "डैमोक्रेट्स" के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ है और उसने पिछले चुनाव में जो बाइडन का समर्थन किया था।

रॉबर्ट कैनेडी, जूनियर अपने खानदान के जीवन मूल्यों से जुड़े हैं, जो उनकी प्रत्येक बात से झलकता है। कैनेडी परिवार अमेरिका के राज परिवार जैसा है। उनके ऑफिस में एक टाइगर है, जिसमें अब भूसा भरा हुआ है। यह टाइगर उनके पिता रॉबर्ट कैनेडी सीनियर को इण्डोनेशिया के तानाशाह सुहार्तो ने भेंट किया था। जानवरों और पर्यावरण के प्रति उनका प्रेम इतना अधिक था कि अन्य देशों के नेताओं ने भी उन्हें अनोखे पशु-पक्षी भेंट किए थे, लेकिन इस बीच कैनेडी जूनियर अपनी किशोरावस्था में बाज़ पालने के शौकीन हो गए थे। उन्होंने इस पक्षी को शिकारी खेलों के लिए पालतू बनाकर रखा।

कैनेडी परिवार का कथानक ऐतिहासिक है, यद्यपि कभी-कभी यह कथानक स्वच्छंद प्रतीत होता है। अपने पिता की नृशंस हत्या के बाद रॉबर्ट कैनेडी नशे के आदी हो गए थे। जब उनकी नशे की लत छूटी तब वे तीस साल की उम्र के आसपास थे।

उसके बाद स्थिति बिल्कुल ही बदल गई। वह पर्यावरण के सफल प्रचारक बन चुके थे तथा उन्होंने एक पर्यावरण वकील के तौर पर भी काम किया। लेकिन उनकी कहानी के कुछ विचित्र पहलू भी है। उन्होंने अपने पर्यावरण प्रेम की हद तो तब कर दी थी जब उन्होंने कोविड के दौरान वैक्सीनेशन का विरोध किया था। उन्होंने इस पर जोर दिया था कि वैक्सीन्स के दुष्प्रभाव होते हैं, इसलिए इस अभियान को रोक दिया जाना चाहिए। उन्होंने अमेरिका के इन्फैक्शन्स डिज़ीज़ इन्स्टीट्यूट के प्रमुख डॉ. एन्थनी फाउची के विरुद्ध एक अभियान भी चलाया था। बात इतनी आगे बढ़ चुकी थी कि उनके परिवार ने वैक्सीनेशन और मल्टीनैशनल फार्मा कम्पनियों के खिलाफ किए गए उनके विचारों की एक बयान जारी कर निंदा की, लेकिन अन्त में "अमेरिकन आइडल" में कैनेडी जूनियर ने गंभीरतापूर्वक कहा कि वह अपने विश्वास के कारण ही ऐसा कर रहे हैं। इकोनॉमिस्ट के साक्षात्कार को सुनकर कोई भी यह महसूस कर सकता है कि अमेरिका में रिपब्लिकनिज़्म के बावजूद रॉबर्ट कैनेडी जूनियर में राजसी गौरव की एक अन्तर्निहित खासियत है।

सैम पित्रोदा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुसार, यदि किसी व्यक्ति के पास मरते समय 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर की संपत्ति है तो वह 45 प्रतिशत सम्पत्ति अपने बच्चों को और 55 प्रतिशत सरकार को ट्रांसफर कर सकता है। इस टिप्पणी के बाद आईं विपरीत प्रतिक्रियाओं के बाद पित्रोदा ने कहा कि, उन्होंने यह नहीं कहा था कि, किसी व्यक्ति की 55 प्रतिशत सम्पत्ति ले ली जाएगी। पित्रोदा ने कहा, "यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि, अमेरिका में विरासत कानून के बारे में एक इन्डिविजुअल के रुप में व्यक्तिगत रूप से मैंने जो कहा था, उसे मोदी मीडिया ने, कांग्रेस घोषणा पत्र पर प्रधानमंत्री द्वारा फैलाए जा रहे झूठ से ध्यान भटकाने के लिए तोड़-मरोड़कर पेश किया है।"

इस बीच, प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर "उसके सलाहकार" सैम पित्रोदा द्वारा विरासत कर की वकालत करने पर तीखा हमला शुरु कर दिया है। मोदी ने सरगुजा में एक रैली में कहा, "कांग्रेस का मंत्र है, लूट जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी।"

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि, पित्रोदा की टिप्पणी ने कांग्रेस को बचाव की मुद्रा में खड़ा कर दिया है। सन् 1984 के सिख-विरोधी दंगों के समय भी उन्होंने कहा था, "हुआ तो हुआ"। पिछले वर्ष उन्होंने प्रश्न पूछा था, "क्या भारत में मंदिर असली मुद्दा है?" उन्होंने पिछली बार के, 2019 के चुनावों के वक्त कहा था कि, यदि नित्यम आय योजना को क्रियान्वित करना है तो करों में वृद्धि की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि, "मध्यम वर्ग को स्वार्थी नहीं होना चाहिए, उसे अपना बड़ा दिल दिखाना चाहिए।" इस टिप्पणी को पकड़ते हुए उस समय प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि, इस टिप्पणी से कांग्रेस की "कांग्रेस लाइसैंस राज की तरफ वापस जाने की मंशा ज़ाहिर होती है।"

'फोन ट्रैपिंग के ऑडियो टेप मुझे सोशल मीडिया से नहीं मिले थे, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **लोकेश शर्मा ने रीट पेपरलीक पर भी बड़ा खुलासा किया कि, "अशोक गहलोत ने तत्कालीन बोर्ड अध्यक्ष डी.पी.जारोली के बारे में कहा कि, वह तो अपने आदमी हैं, इन्हें बर्खास्त कैसे किया जाये।"**
- **लोकेश शर्मा ने कहा कि, "करोना काल में जो मेडिकल उपकरण खरीदे गये, उनमें करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार किया गया।"**
- **शर्मा ने पत्रकारों से कहा कि, "गहलोत की यह सोच है कि मैं ही कांग्रेस हूँ। उनकी इसी हठधर्मिता के चलते हम पिछले विधानसभा चुनावों में सरकार की वापसी नहीं करवा पाए। उन्होंने आलाकमान तक को धोखा दिया।"**
- **लोकेश शर्मा ने कहा कि, वे गहलोत को अपना राजनैतिक गुरू मानते थे तथा उन्हें लगता था कि, वो बहुत साफ दिल के इंसान हैं, क्योंकि, वो हमेशा कहते थे, मेरी तरह सभी को काम में लिया करो। आज मुझे पता चल गया, मैं कैसे काम में आ गया।"**
- **लोकेश ने दावा किया कि, "अब जांच एजेन्सियाँ जब भी मुझसे इस जांच में सहयोग मांगेंगी तो मैं इन तमाम सबूतों को जांच एजेन्सियों को सौंप दूंगा।"**

2020 को तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत होटल फेयरमॉन्ट आए थे। उनके होटल से निकलने के एक घंटे बाद मेरे पास गहलोत के पी.एस.ओ. रहे रामनिवास का कॉल आया उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने आपको बुलाया है। मैं पिंक हाउस पहुंचा तो गहलोत मेरा ही इंतज़ार कर रहे थे। गहलोत ने मुझे एक प्रिंटेड कागज और एक पेन ड्राइव दी। उसमें तीन ऑडियो क्लिप थी, जिसमें विधायकों की खरीद-फरोख्त की बात थी।

पूर्व मुख्यमंत्री के ओ.एस.डी. ने कहा कि जो पेपर गहलोत ने दिया, उसमें गजेंद्र सिंह शेखावत, भंवरलाल शर्मा और संजय जैन की बातचीत का हवाला था। पेन ड्राइव और पेपर देकर उन्होंने कहा कि जल्दी जाकर मीडिया को दे दीजिए। मैंने घर आकर लैपटॉप में ऑडियो को ट्रांसफर किया। इसके बाद मोबाइल में लिया। फिर मीडिया को भेज दिया।" उन्होंने स्पष्ट कहा कि, "ये ऑडियो मुझे सोशल मीडिया से नहीं मिला था। अशोक गहलोत ने मुझे पेन ड्राइव के जरिए सभी ऑडियो क्लिप दी थी। लोकेश शर्मा ने कहा कि ऑडियो को वायरल करने के बाद भी, जब तक मीडिया में इसकी खबर नहीं आई गहलोत ने मुझे दो बार वॉट्सऐप कॉल कर पूछा न्यूज़ में चला क्यों नहीं। जैसे ही खबर आई तो मुझे पता चला कि ऑडियो क्लिप में क्या है। मुझे सिर्फ डायरेक्शन दिए गए, जिसकी मैंने पालना की थी। लोकेश ने कहा "मैं जिन्हें अपना राजनैतिक गुरु मानता था और समझता था कि वे बहुत साफ दिल के इंसान हैं। वे मुझे हमेशा कहते थे, मेरी तरह सभी को काम में लिया कर। आज मुझे पता चल गया मैं कैसे काम में आ गया।"

उन्होंने कहा कि अगले दिन जब अखबारों में खबरें छपीं। मुकदमे दर्ज हुए और आरोप लगे कि कौन लोग हैं, जो सरकार गिराना चाहते हैं। इसमें गजेंद्र सिंह को जोड़ा गया। गहलोत की मंशा यह साबित करने की थी कि इस पूरे खेल के पीछे भाजपा है। लेकिन हम सभी ने सुना सचिन पायलट ने कहा था कि हम लोगों की सुनवाई नहीं हुई थी। इसलिए वे एक साथ मिलकर आलाकमान तक अपनी बात पहुंचाना चाहते थे। लोकेश शर्मा ने बताया कि जैसे ही अशोक गहलोत को सचिन व उनके साथियों के दिल्ली जाने की जानकारी मिली, तो उन्होंने सारा षड्यंत्र रचा। जो लोग उनके (सचिन पायलट) साथ गए थे, उनके फोन सर्विलांस पर थे। सभी को ट्रैक किया जा रहा था। इसमें पायलट भी शामिल थे। सभी का मूवमेंट पता किया जा रहा था।

लोकेश शर्मा ने गजेन्द्र सिंह शेखावत का नाम खराब करने पर बताया कि गजेन्द्र सिंह पर दबाव बनाने के लिए षडयंत्र रचा गया। संजीवनी मामले का राजनीतिक फायदा लेने के लिए कैसे उनकी छवि खराब की जाए और परिवार पर आरोप लगाए जाएं। मुख्यमंत्री हाउस पर ये ही षड्यंत्र रचा गया था कि गजेंद्र सिंह और सचिन पायलट को किस तरह से नीचा दिखाया जाए। कैसे जनता के सामने उनकी छवि खराब की जाए। इसलिए संजीवनी से जुड़े लोगों को बुलाया जाता था। उनके वीडियो बनाकर लगातार चलाये जाते थे।

लोकेश शर्मा ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम के बाद गहलोत को शक था उन्हें शायद यह लगता था कि मैंने वो मोबाइल नहीं तोड़ा है। जिससे ऑडियो वायरल किए थे, इसलिए 26 नवंबर, 2021 में मेरे ऑफिस में एस.ओ.जी. की रेड डलवाई, उसी आदमी ने जिसके लिए मैंने इतना बड़ा कदम उठाया। जो व्यक्ति मुख्यमंत्री के लिए काम करता है, उसके ऑफिस में एस.ओ.जी. की रेड हुई। मेरे पूरे ऑफिस को खंगाल लिया। मोबाइल नहीं मिला, उसके बाद तसल्ली हुई। ये हैं हमारे पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उनकी सच्चाई। वो किस तरह लोगों का इस्तेमाल करते हैं। राजनीतिक फायदे के लिए उपयोग करते हैं, फिर किनारा कर लेते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में पिछले 3 साल से क्राइम ब्रांच के सामने घंटों पूछताछ के लिए मुझे पेश होना पड़ रहा है। अब मैं पूरी तरीके से हताश और निराश हो चुका हूँ।

लोकेश शर्मा ने आरोप लगाया कि सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए सारे नियम-कानून तोड़कर काम होता रहा। लोकेश शर्मा ने यह भी कहा कि वे जांच एजेंसियों का सामना करने के लिए भी तैयार हैं।

रीट पेपर लीक मामले पर लोकेश शर्मा ने कहा कि पेपर लीक के बाद लेवल-2 के पेपर को रद्द किया गया, लेकिन इस कांड में जितने लोग शामिल हैं, उन पर भी बातचीत की गई थी। जब माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के तत्कालीन अध्यक्ष डी.पी. जारोली का नाम सामने आया तो सभी अचरज में पड़ गए। क्या एक्शन लिया जाए। गहलोत ने कहा कि इन्हें बर्खास्त कैसे किया जाए, ये तो अपने आदमी हैं। जो लोग इसमें शामिल थे, उनकी जानकारी होने के बावजूद उन्हें अपना आदमी कहा गया। ऐसे पूर्व मुख्यमंत्री के लिए क्या कहना चाहिए। उन्होंने कहा कि करोना काल में जो मेडिकल उपकरण खरीदे गये, उनमें करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार किया गया।

लोकेश शर्मा ने कहा कि गहलोत की यह सोच है कि मैं ही कांग्रेस हूं। मेरे अलावा कोई अन्य व्यक्ति कांग्रेस में आगे नहीं बढ़ना चाहिए। उनकी इसी हठधर्मिता के चलते पिछले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस सरकार की वापसी नहीं हो पाई। शर्मा ने कहा कि उन्होंने आलाकमान तक को धोखा दिया।

उन्होंने कहा कि 25 सितंबर 2022 की घटना सभी को याद होगी। मल्लिकार्जुन खड़गे और अजय माकन आलाकमान का एजेंडा लेकर आए थे। लेकिन उस एजेंडा को सोची समझी रणनीति के तहत प्रायोजित तरीके से पूरा नहीं होने दिया। तत्कालीन मुख्यमंत्री दोपहर में जैसलमेर चले गए। तनोट माता के दर्शन करने के बाद मुझे कॉल किया और कहा कि मीडिया में यह खबर चलवाओ कि ये जो विधायक धारीवाल के घर पर एकत्र हैं। इनकी एक ही मांग है कि हम में से किसी को भी मुख्यमंत्री बनवा दो। सचिन पायलट नहीं चलेगा।

इस तरह से गहलोत ने सीधे तौर पर आलाकमान की अवमानना की, उन्हें धोखे में रखा। इसी तरह से विधानसभा चुनाव में भी आलाकमान को अंधेरे में रखा। उन्हें विश्वास दिलाने का प्रयास किया कि आप पूरी तरह से मुझ पर छोड़ दो। मैं प्रदेश में सरकार को रिपीट करवाकर रहूंगा। उन्होंने फिर मनमर्जी चलाते हुए उन तमाम विधायकों को फिर से टिकट दे दिया, जिनकी स्वतंत्र एजेंसी, हमारी रिपोर्ट और ए.आई.सी.सी. सर्वे में हार की संभावना बताई गई थी। इन सभी सर्वे का निष्कर्ष था कि कम से कम 25 से 30 टिकट बदल देने चाहिए। वरना ये चुनाव हारेंगे। लेकिन गहलोत नहीं माने, जिसकी वजह से प्रदेश में सरकार रिपीट नहीं हो सकी।

लोकेश शर्मा ने कहा कि आज इन तमाम बातों को कहने के बाद मैं आश्वस्त हूं कि अब जांच एजेंसियां जब भी मुझसे इस जांच में सहयोग मांगेंगी तो मैं इन तमाम सबूतों को जांच एजेंसियों को सौंप दूंगा। जिस तरह से मैंने इन सबूतों को आपके सामने रखा है। उसी तरह से जांच एजेंसियों को भी सारे सबूत दूंगा।

शर्मा ने कहा कि केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दिल्ली पुलिस में परिवाद देकर जनप्रतिनिधियों के फोन टैप करने और उनकी छवि खराब करने का आरोप लगाया था, जिस पर 25 मार्च 2021 को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने लोकेश शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इस एफ.आई.आर. के खिलाफ लोकेश शर्मा दिल्ली हाई कोर्ट पहुंचे थे। आज भी उनकी याचिका हाईकोर्ट में लंबित है। इस दौरान करीब आधा दर्जन बार दिल्ली क्राइम ब्रांच लोकेश शर्मा से पूछताछ कर चुकी है।

उन्होंने कहा कि सचिन पायलट कैंप की बगावत के बाद सरकार पर फोन टैपिंग के आरोप लगे थे। गहलोत खेमे ने विधायकों की खरीद-फरोख्त का आरोप लगाते हुए कुछ ऑडियो वायरल करवाए थे। इसमें केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर कांग्रेस के तत्कालीन विधायक भंवरलाल शर्मा के साथ गहलोत सरकार को गिराने के लिए सौदेबाजी का आरोप लगाया गया था। इस मुद्दे पर विधानसभा के बजट सत्र में जमकर हंगामा हुआ था। सदन में भी यह मामला उठा था। विधानसभा में संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल ने माना था कि मुख्यमंत्री के ओ.एस.डी. ने ऑडियो वायरल किए थे।

लोकेश शर्मा ने राजस्थान विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद सोशल मीडिया पर लिखा था कि "मैं नतीजों से आहत जरूर हूं, लेकिन अचंभित नहीं हूं। कांग्रेस पार्टी राजस्थान में निसंदेह रिवाज बदल सकती थी, लेकिन अशोक गहलोत कभी कोई बदलाव नहीं चाहते थे। यह कांग्रेस की नहीं बल्कि अशोक गहलोत की हार है। गहलोत को फ्री हैंड देकर पार्टी ने उनके चेहरे पर उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ा और खुद गहलोत ने कहा था कि, हर सीट पर वे खुद चुनाव लड़ रहे थे। लोकेश शर्मा ने लिखा था कि न उनका अनुभव चला, न जादू और हर बार की तरह कांग्रेस को उनकी योजनाओं के सहारे जीत नहीं मिली, न ही अथाह पिंक प्रचार काम आया। गहलोत ने मुख्यमंत्री रहते हुए लगातार तीसरी बार पार्टी को हाशिए पर लाकर खड़ा कर दिया। उन्होंने आज तक पार्टी से सिर्फ लिया ही लिया है, लेकिन वे कभी अपने रहते पार्टी की सत्ता में वापसी नहीं करवा पाए।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908